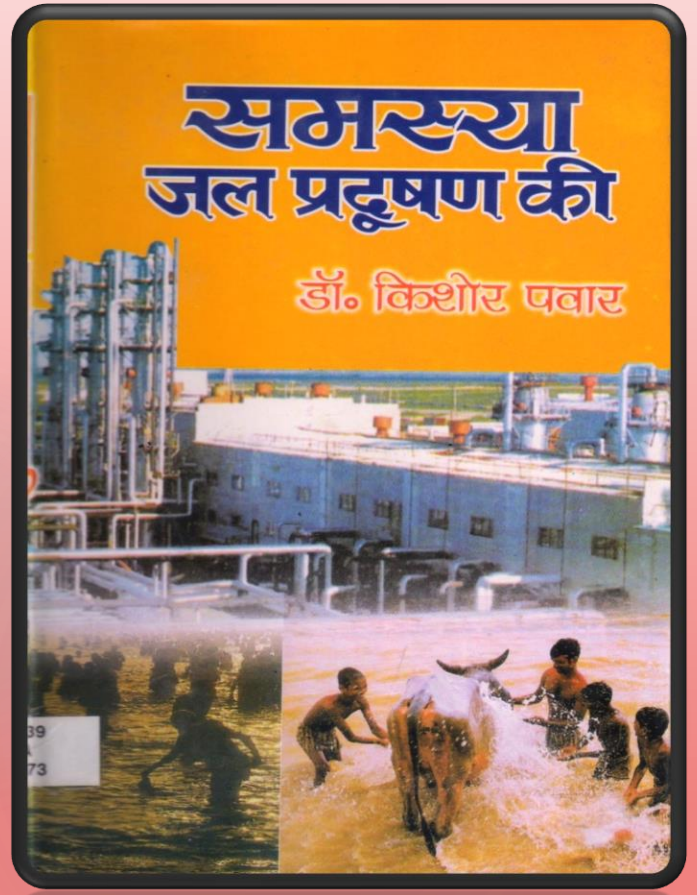

HB973 - समस्या जल प्रदुषण की

डॉ किशोर पवार : डॉ पवार का जन्म नाशिक में हुआ था। वे एक प्राध्यापक एवं पर्यावरण विज्ञानं विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अंधविस्वास उन्मूलन के क्षेत्र में 15 साल काम किया। वे तीन अलग-अलग विश्वविद्यालयों के लिए प्राणीशास्त्र पर 25 से अधिक पुस्तकें और लोकप्रिय विज्ञान, वन्यजीव और पर्यावरण पर मराठी, अंग्रेजी और हिंदी में 75 से अधिक पुस्तकें लिखने के लिए प्रसिद्ध हैं।

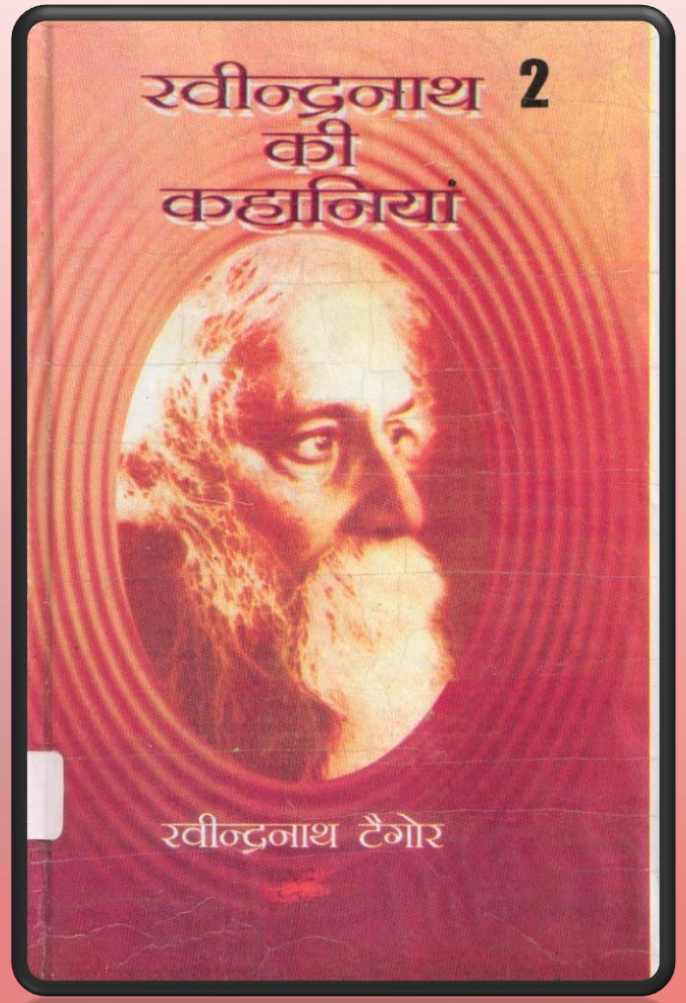

Hb2397 - रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ भाग-2

रवीन्द्रनाथ ठाकुर : रबीन्द्रनाथ का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के ठाकुरबाड़ी में हुआ। बचपन से ही उनकी कविता, छन्द और भाषा में अद्भुत प्रतिभा का आभास लोगों को मिलने लगा था। उन्होंने पहली कविता आठ वर्ष की आयु में लिखी थी और सन् 1877 में केवल सोलह वर्ष की आयु में उनकी प्रथम लघुकथा प्रकाशित हुई थी।

टैगोर ने अपने जीवनकाल में कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएँ, यात्रावृन्त, नाटक और सहस्रो गाने भी लिखे हैं। वे अधिकतम अपनी पद्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं।

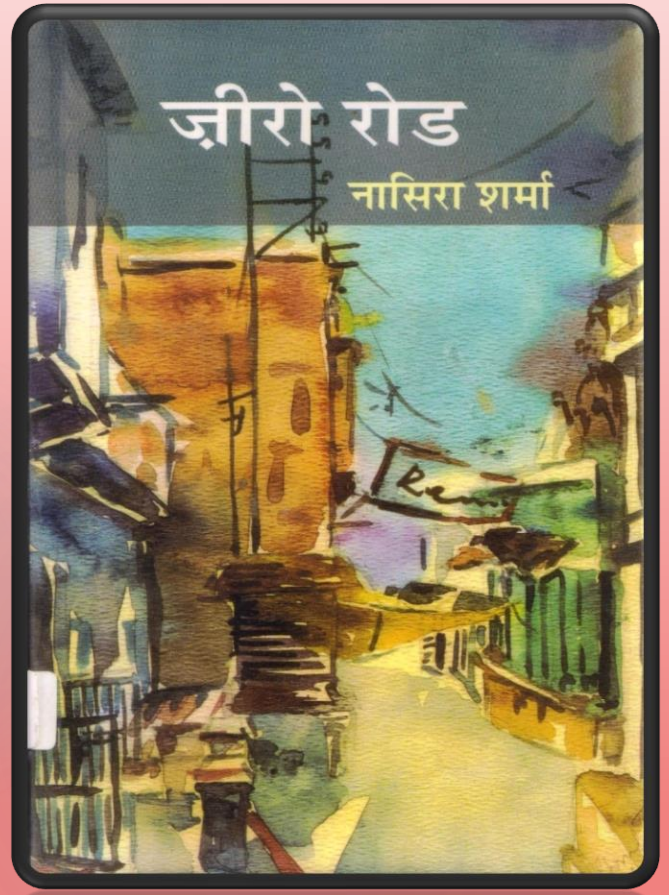

Hb2086 - ज़ीरो रोड

नासिरा शर्मा : नासिरा हिंदी की प्रसिद्ध कहानीकार और लेखिका हैं। इलाहाबाद में जन्मी नासिरा शर्मा को साहित्य विरासत में मिला। नासिरा शर्मा ने फारसी भाषा व साहित्य में एमए किया, उर्दू, अंग्रेज़ी और पश्तो भाषाओं पर उनकी गहरी पकड़ है, लेकिन उनके समृद्ध रचना संसार में दबदबा हिंदी का ही है। ईरानी समाज और राजनीति के साथ-साथ उन्हें साहित्य, कला व सांस्कृतिक विषयों का भी विशेषज्ञ माना जाता है। वर्ष 2006 में उपन्यास 'परिजात' के लिए इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा हुई। साल 2019 में नासिरा शर्मा को उनके उपन्यास 'कागज़ की नाव' के लिये 'व्यास सम्मान' से सम्मानित किया गया।

HB1025 - त्रिवेणी

गुलज़ार : एक कवि के रूप में अपने करियर में, गुलज़ार ने रचनात्मकता से समझौता किए बिना सामग्री और रूप दोनों के साथ प्रयोग किया है।गुलज़ार पुस्तक के वर्तमान संस्करण में कला के स्वरूप के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं, “मैंने इसे त्रिवेणी शीर्षक इसलिए दिया क्योंकि पहली दो पंक्तियाँ गंगा और यमुना की तरह मिलती हैं और एक विचार को पूरा करती हैं। लेकिन दोनों नदियों के नीचे एक और धारा है, सरस्वती, जो छिपी हुई है और इसलिए देखी नहीं जा सकती। त्रिवेणी का काम है सरस्वती को प्रकाश में लाना। इसका मतलब यह है कि तीसरी रेखा ऊपरी दो रेखाओं के बीच कहीं छिपी हुई है।”

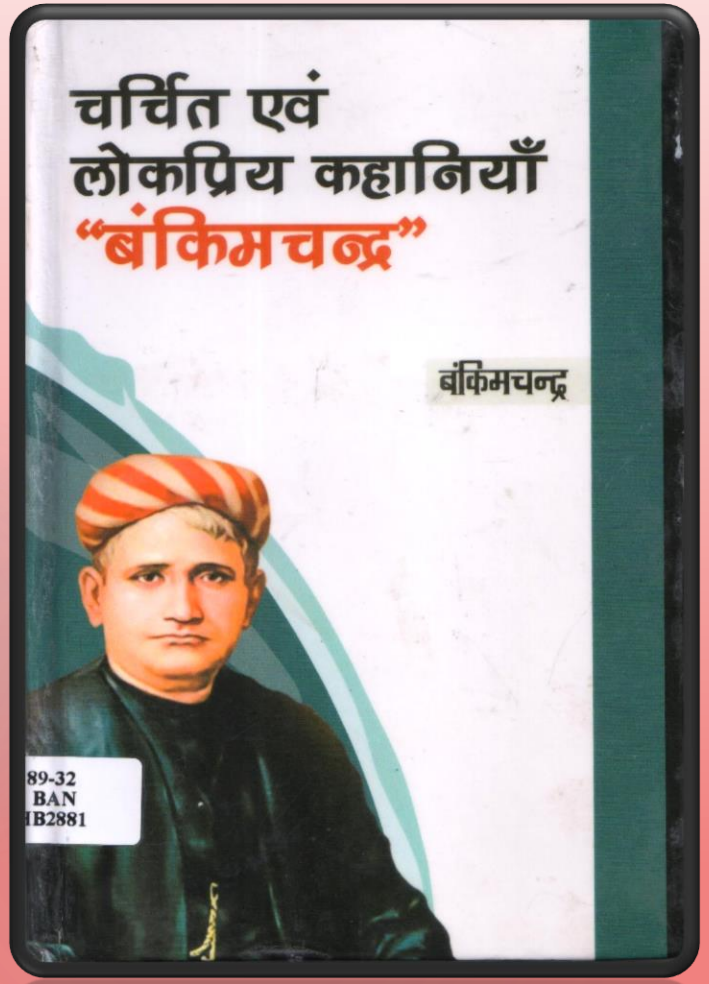

HB2881 - चर्चित एवं लोकप्रिय कहानियां "बंकिमचंद्र"

बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय - बंकिमचन्द्र बांग्ला भाषा के प्रख्यात उपन्यासकार, कवि, गद्यकार और पत्रकार थे। भारत का राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' उनकी ही रचना है जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के काल में क्रान्तिकारियों का प्रेरणास्रोत बन गया था। रबीन्द्रनाथ ठाकुर के पूर्ववर्ती बांग्ला साहित्यकारों में उनका अन्यतम स्थान है।

आधुनिक युग में बंगला साहित्य का उत्थान उन्नीसवीं सदी के मध्य से शुरु हुआ। इसमें राजा राममोहन राय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, प्यारीचाँद मित्र, माइकल मधुसुदन दत्त, बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय और रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अग्रणी भूमिका निभायी। इसके पहले बंगाल के साहित्यकार बंगला की